01. प्रागैतिहासिक काल (Prehistoric History)

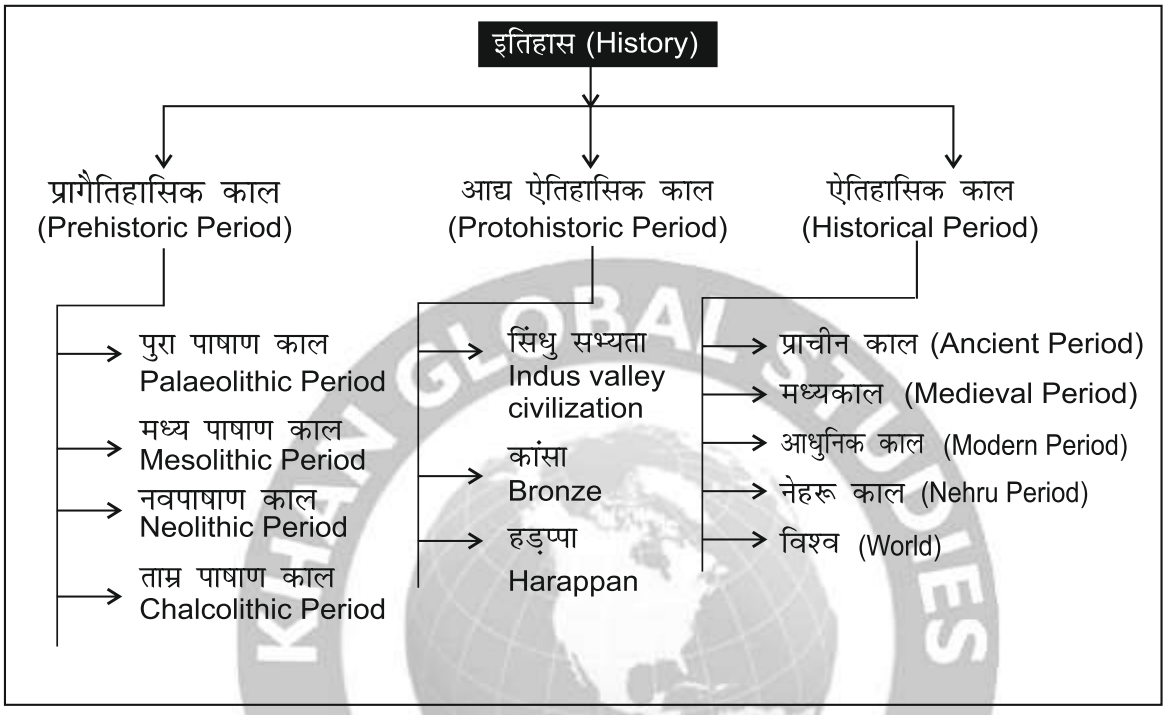

- ☞ अतीत का अध्ययन **इतिहास** कहलाता है।
- ☞ इतिहास के जनक **हेरोडोटस** को कहते हैं।
- ☞ मानवजाति का पालना **अफ्रीका महादेश** को कहते है।
- ☞ जबकि सभ्यता का पालना **एशिया महादेश** को कहते है।
- ☞ **इतिहास को 3 खण्डों में बाँटते हैं–**

1. प्रागैतिहासिक काल (Prehistoric History)– इतिहास का वह समय जिसमें मानव लिखना पढ़ना नहीं जानता था। इसकी जानकारी केवल पुरातात्विक साक्ष्य से मिली है। इसके अंतर्गत पाषाण काल को रखते हैं।

पाषाण काल (Stone Age)

- ☞ वह समय जब मानव पत्थर के औजार एवं हथियार को उपयोग करता था, पाषाण काल कहलाता है।
- ☞ भारत में सर्वप्रथम 1863 ई० में **रार्बट ब्रुस फ्रुट** ने पाषाणकालीन सभ्यता की खोज की।
- ☞ भारतीय पुरातत्व का पिता सर **अलेक्जेंडर कनिंघम** है।
- ☞ भारत का पुरातात्विक संग्रहालय **इंदिरा गांधी मानव संग्रहालय** है जो संस्कृति मंत्रालय के अधीन है।
- ☞ मिलने वाले धातु के आधार पर नामकरण **क्रिश्चयन थॉमस** ने किया।
- ☞ लिखावट के आधार पर नामकरण **जॉन ब्रूस** ने किया।
- ☞ **पाषाण काल को 4 भागों में बाँटा गया है–**

1. पुरापाषाण काल (Palaeolithic Period) (20 लाख ई०पू० से 12,000 ई०पू० तक)–

यह इतिहास का सबसे प्रारम्भिक समय था। इस समय के मानव को आदि मानव कहा जाता है। इस समय का मानव खानाबदोश (खाद्य संग्राहक) अर्थात् उसके जीवन का मुख्य उद्देश्य जानवरों की भाँति ही अपना पेट भरना था। इस समय के मानव की सबसे बड़ी उपलब्धी आग की खोज थी।

- ☞ इस समय मानव पत्थर के बड़े-बड़े औजारों का इस्तेमाल शिकार करने के लिए करते थे। इसी समय मानव ने चित्रकारी करना प्रारंभ किया।
- ☞ भिमबेटका के गुफाओं में **पुरा पाषाण काल** के चित्र देखने को मिलते हैं। जो मध्यप्रदेश के अब्दुलागंज (रायसेन) में स्थित है।

2. मध्य पाषाण (Mesolithic Period) (12,000 ई०पू० से 10,000 ई०पू० तक)–

- ☞ इस काल के बारे में सर्वप्रथम जानकारी **करसाइल** ने 1867 ई० में दिया।

☞ यह पुरापाषाण के बाद का काल था। इस समय मानव के हथियार छोटे आकार के थे, इसलिए इन्हें **माइक्रोलिथ** कहते हैं। इस समय के मानव की सबसे प्रमुख कार्य अंत्योष्टि (अंतिम संस्कार) कार्यक्रम था।

☞ इसी काल में मानव के अस्थिपंजर का सबसे पहला अवशेष प्रतापगढ़ (UP) के **सराय नाहर** तथा **महदहां** नामक स्थान से प्राप्त हुआ।

3. नव या उत्तर पाषाण काल (Neolithic Period) (10,000 ई०पू० से 3000 ई०पू० तक)–

☞ इस काल के बारे में सर्वप्रथम जानकारी सर जॉन लुबाक ने 1865 ई० में प्रस्तुत किया।

☞ इस काल में मानव ने स्थायी आवास बना लिया था। साथ ही कृषि तथा पशुपालन भी प्रारम्भ कर दिया। मानव ने इस काल में **पहिया** तथा **मनका (घड़ा)** की खोज की।

☞ कर्नाटक के मैसूर के पास संगनकल्लू नामक नवपाषाण कालीन पुरास्थल से **राख के टीले** प्राप्त हुए हैं।

☞ पशुपालन का साक्ष्य भारत में आदमगढ़ (MP) तथा बागौर (राजस्थान) से प्राप्त हुआ है।

Note :–

1. **मेहरगढ़–** यह पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान में स्थित है। यहाँ से सर्वप्रथम 7000 ई० पू० सुलेमान और किर्थर पहाड़ियों के बीच कृषि के साक्ष्य जौ एवं गेहूँ मिली थी।
2. **बुर्जहोम–** यह काश्मीर में अवस्थित है। यहाँ गर्तावास का प्रमाण मिला है। यहाँ से मालीक के साथ कुत्ते को दफनाने का साक्ष्य मिला है।
3. **गुफकराल–** यहाँ से मृदभांड का पहला प्रमाण प्राप्त हुआ।
4. **कोल्डिहवा–** यह उत्तरप्रदेश के बेलनघाटी में स्थित है। यहाँ पर चावल का प्राचीनतम साक्ष्य (6000 ई० पू०) मिला है।
5. **चिरांद–** यह बिहार के सारण जिले में स्थित है। यहाँ से प्रचूर मात्रा में हड्डी के उपकरण प्राप्त हुए।
6. **लेहूरादेह–** यहाँ से नवीनतम सबसे प्राचीन चावल का साक्ष्य (9000 ई० पू०-7000 ई० के बीच) प्राप्त हुआ।
7. **दमदमा–** यहाँ एक ही कब्र से तीन मानव कंकाल मिले हैं।

☞ मानव द्वारा पाला गया पहला पशु **'कुत्ता'** था।

4. ताम्रपाषाण काल (Chalcolithic Period)–

यह पाषाण काल का अंतिम समय था। इस समय तांबे की खोज हुई थी। जिस कारण औद्योगिकरण शुरू हो गया। इसी औद्योगिकीकरण का विकसित रूप सिंधु सभ्यता में देखने को मिलता है।

☞ नवदाटोली मध्यप्रदेश का एक महत्वपूर्ण ताम्रपाषाणिक पुरास्थल है जिसकी उत्खनन H.D. संकालीया ने कराया था।

☞ मानव द्वारा खोजी गई पहली धातु तांबा थी।

KHAN GLOBAL STUDIES
Kisan Cold Storage Campus, Musallahpur, Patna-6
KHAN SIR

02. आद्य-ऐतिहासिक काल (Proto Historic History)

☞ इस काल में मानव द्वारा लिखी गई लिपि को पढ़ा नहीं जा सकता है, किन्तु लिखित साक्ष्य मिले हैं। इस काल के जानकारी के स्रोत भी पुरातात्विक साक्ष्य ही है। इसमें सिंधु सभ्यता को रखते हैं।

सिंधु सभ्यता (Indus Valley Civilization)

☞ यह सभ्यता सिंधु नदी के तट पर मिली थी, इसलिए इसे सिंधु सभ्यता कहते हैं। इसकी जानकारी के लिए पहली खुदाई हड़प्पा से हुई थी। अत: इसे हड़प्पा सभ्यता भी कहते हैं।

☞ सिंधु सभ्यता की जानकारी (Message) **चार्ल्स मैशन ने (1826 ई०)** में दिया था।

☞ सिंधु सभ्यता सर्वेक्षण **जेम्स कनिंघम ने (1853 ई०)** में किया।

☞ सिंधु सभ्यता 13 लाख वर्ग किमी. में फैली है।

☞ **लॉर्ड कर्जन** ने 1904 ई० में पुरातत्व विभाग की स्थापना किया था। जिसके महानिर्देशक सर जॉन मार्शल थे।

☞ सिंधु सभ्यता का नामकरण **जॉन मार्शल** ने किया था।

☞ सिंधु सभ्यता की पहली खुदाई **दयाराम साहनी** ने की।

☞ सिंधु सभ्यता का आकार त्रिभुजाकार है।

☞ सिंधु सभ्यता विश्व की सबसे पहली शहरी सभ्यता थी।

☞ इसका विकास 2500 ई० पूर्व से 1750 पूर्व तक हुआ।

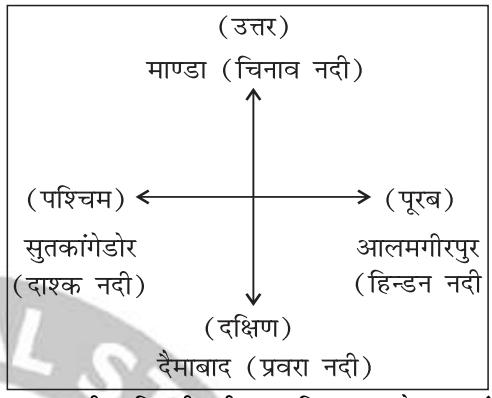

1. इसकी पश्चिमी सीमा पाकिस्तान के सुतकांगेडोर में थी, जो दाश्क नदी के तट पर थी।
2. इसकी उत्तरी सीमा कश्मीर के मांडा में चिनाब नदी के तट पर थी। इसकी खुदाई जगपति जोशी ने 1982 ई० में किया।
3. इसकी पूर्वी सीमा उत्तर-प्रदेश के आलमगीरपुर में थी। जो हिन्डन नदी के किनारे थी। यज्ञदत्त शर्मा के नेतृत्व में इसका उत्खनन हुआ।
4. इसकी दक्षिणी महाराष्ट्र के दैमाबाद में प्रवरा नदी के तट पर थी। यहाँ से धातु का एक रथ (इक्का गाड़ी) का प्रमाण मिला है।

सिंधु सभ्यता के प्रमुख स्थल

	प्रमुख स्थल	अवस्थित	उत्खननकर्ता	उत्खनन वर्ष	नदी
1.	हड़प्पा	मोंटगोमरी जिला, पंजाब (पाकिस्तान)	दयाराम साहनी और माधोस्वरूप वत्स	1921 ई०	रावी
2.	मोहनजोदड़ो	लरकाना जिला, सिंध प्रांत (पाकिस्तान)	राखालदास बनर्जी	1922 ई०	सिन्धू
3.	कालीबंगा/कालीबंगन	हनुमानगढ़ जिला, राजस्थान (भारत)	बी०बी० लाल और बी०के० थापर	1961-69 ई०	घग्घर (सरस्वती
4.	धौलावीरा	कच्छ जिला, गुजरात (भारत)	रवीन्द्र सिंह विष्ट	1990-91 ई०	
5.	चन्हूदड़ों	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)	गोपाल मजुमदार	1931 ई०	सिन्धु
6.	लोथल	अहमदाबाद जिला, गुजरात (भारत)	रंगनाथ राव	1955 ई०/1962 ई०	भोगवा
7.	कोटदीजी	सिंध प्रांत का खैरपुर स्थान (पाकिस्तान)	फजल अहमद खान	1953 ई०	सिन्धु
8.	बनवाली	हिसार जिला, हरियाणा (भारत)	रवीन्द्र सिंह विष्ट	1974 ई०	सरस्वती (रंगोई)
9.	रोपड़	रोपड़ जिला, पंजाब (भारत)	यज्ञदत्त शर्मा	1953-56 ई०	सतलज
10.	रंगपुर	काठियावाड़ जिला, गुजरात, अहमदाबाद (भारत)	रंगनाथ राव	1953-54 ई०	मादर
11.	आलमगीरपुर	मेरठ जिला, उत्तर प्रदेश (भारत)	यज्ञदत्त शर्मा	1958 ई०	हिन्डन
12.	सुतकांगेडोर	मकरान में समुद्र तट के किनारे (पाकिस्तान)	ऑरेल स्टाईन (आर०एल०स्टाइन)	1927 ई०	दाश्क
13.	सुत्काकोह	मकरान के समुद्र तट पर (पाकिस्तान)	जॉर्ज डेल्स	1962 ई०	शादीकोर

हड़प्पा (1921)

- इसकी खुदाई दयाराम साहनी ने की। यह रावी नदी के तट पर पाकिस्तान के ''माऊण्ट गोमरी'' जिला में स्थित है।
- पिग्गट में हड़प्पा और मोहनजोदड़ों को एक विस्तृत साम्राज्य की जुड़वा राजधानी कहा।
- **यहाँ से निम्नलिखित वस्तुएँ मिली हैं–**
  (i) कुम्हार का चाक (ii) अन्नागार
  (iii) श्रमिक आवास (iv) मातृदेवी की मूर्ति
  (v) लकड़ी की ओखली (vi) लकड़ी का ताबूत
  (vii) R.H. 37 कब्रिस्तान (viii) हाथी का कपाल
  (ix) स्वास्तिक चिन्ह।

  Note :– चाँदी का सर्वप्रथम प्रयोग हड़प्पा सभ्यता के लोगों ने ही किए थे।

मोहनजोदड़ो (1921)

- इसकी खुदाई सन् 1921 ई. में राखलदास बनर्जी ने की। यह पाकिस्तान के लरकाना जिले में स्थित है। यह सिंधु नदी के तट पर है।
- यह सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा शहर है।
- यहाँ मृतकों का एक बहुत बड़ा टिला मिला है।
- **यहाँ से निम्नलिखित वस्तुएँ मिली हैं–**
  (i) पुरोहित आवास (ii) घर में कुँआ
  (iii) विशाल स्नानागार (iv) अन्नागार
  (v) सूती वस्त्र (ix) स्वास्तिक चिन्ह।
  (vi) सबसे चौड़ी सड़क (vii) सभागार
  (viii) पशुपति शिव (ix) काँसे की नर्तकी
  (x) ताँबे का ढ़ेर।

  Note : मोहनजोदड़ों का अन्नागार सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा भवन या इमारत है।

  Remark :– स्वास्तिक मुहर सर्वाधिक मोहनजोदड़ों से मिला है। जिसका निर्माण शिलखड़ी से हुआ था।

चन्हुदड़ों (1931)

- इसकी खुदाई सन् 1931 ई. में गोपाल मजूमदार ने की।
- यह पाकिस्तान में सिंधु नदी के तट पर स्थित है।
- यह एक मात्र शहर है, जो दुर्ग रहित है।
- यही एक औद्योगिक शहर है।
- **यहाँ से निम्नलिखित वस्तुएँ मिली हैं–**
  (i) मेक-अप सामग्रियाँ (ii) लिपस्टिक
  (iii) शीशा (iv) मनका
  (v) गुड़िया (vi) सुई
  (vii) अलंकृत ईंट
  (viii) बिल्ली का पीछा करता हुआ कुत्ता।

रोपड़ (1553)

- इसकी खुदाई यज्ञदत्त शर्मा ने 1953 ई. में की । यह पंजाब के सतलज नदी के किनारे स्थित है।
- यहाँ मानव के साथ-साथ उसके पालतू जानवरों का भी शव मिला है।

  Note : ऐसा ही शव नव-पाषाण काल में जम्मू-कश्मीर के बुर्जहोम में मिला था।

बनवाली

- इसकी खुदाई रविन्द्र सिंह ने की। यह हरियाणा में स्थित है। इसके समीप रंगोई नदी है। यहाँ जल-निकासी की व्यवस्था नहीं थी जिस कारण घरों में सोखता मिला है।
- यहाँ की सड़के टेढ़ी-मेढ़ी थी।

कालीबंगा

- इसका अर्थ होता है ''काली मिट्टी की चूड़ी''।
- यहाँ से अलंकृत ईंट, चूड़ी, जोता हुआ खेत हल एवं हवन कुँड मिले है।
- यह राजस्थान में सरस्वती (घग्घर) नदी के किनारे हनुमानगढ़ जिले में स्थित है।
- इसकी खोज अलमानंद घोष द्वारा की गई।
- इसकी खुदाई B.K. थापड़ तथा B.B. लाल ने की।

धौलावीरा

- यह गुजरात में स्थित है। यह सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल है।
- इसकी खुदाई रविन्द्र सिंह बिस्ट ने की।

सुरकोटदा

- यह गुजरात में स्थित है। यहाँ से कलश शवाधान तथा घोड़ो की हड्डी मिली है।
- इसकी खुदाई जगपति जोशी ने करवाया।

लोथल

- इसकी खुदाई S.R. Rao ने भोगवा नदी के किनारे अहमदाबाद गुजरात में किया।
- यह सिंधु सभ्यता का बंदरगाह स्थल है।
- यहाँ से गोदीवाड़ा का साक्ष्य मिला है।
- यहाँ घर के दरवाजें सड़कों की ओर खुलते थे।
- यहाँ फारस की मुहर मिली है, जो विदेशी व्यापार का संकेत है।
- यहाँ से युगल शवाधान मिला है, जो सतीप्रथा का प्रतीक है।

रंगपुर

- यह गुजरात में स्थित है।
- यहाँ से धान की भूसी मिली है।
- सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा स्थल धौलावीरा है (गुजरात + पाकिस्तान)।
- भारत में सबसे बड़ा स्थल राखीगढ़ी (हरियाणा में) है।
- सिंधु सभ्यता का सबसे बड़ा शहर मोहनजोदड़ो है।

कुणाल

- यह हरियाणा के हिसार जिला में स्थित है।
- यहाँ से चांदी के दो मुकूट मिला है।

सिंधु सभ्यता की विशेषताएँ

- सिंधु सभ्यता एक नगरीय (शहरी) सभ्यता थी।
- यहाँ की सड़क एक-दूसरे को समकोण पर काटती है, तथा ये पूरब-पश्चिम दिशा में थी, जिससे हवा द्वारा सड़क स्वत:

साफ हो जाती थी।
- नलियाँ ढ़की हुई थी।
- अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि था।
- इसका व्यापार विदेशों से होता था।

वस्तुओं का आयात	किस प्रदेश से?	वस्तुओं का आयात	किस प्रदेश से?
सोना	अफगानिस्तान, ईरान, कर्नाटक	गोमेद	सौराष्ट्र
चाँदी	अफगानिस्तान, ईरान	लाजवर्द	मोसोपोटामिया
ताँबा	ब्लूचिस्तान, खेतड़ी, ओमान	सीसा	ईरान
टिन	ईरान, अफगानिस्तान		

- **सिंधु सभ्यता का समाज 4 वर्गों में बँटा हुआ था–**
  1. विद्वान 2. योद्धा
  3. व्यापारी एवं शिल्पकार 4. श्रमिक
- इनका समाज मातृ सत्तात्मक था।
- इनकी लिपि भाव चित्रात्मक थी, जिसे पढ़ा नहीं गया। इस लिपि को दाएँ से बाएँ कि ओर लिखी जाती थी।
- इनके मुहरों पर सर्वाधिक 1 सिंग वाले जानवर का चित्र था।
- इनके मुहरों पर गाय तथा सिंह का चित्र नहीं मिला है।
- हड़प्पा सभ्यता के मुहरों में सेलखरी का मुख्य रूप से किया गया था।
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोग लोहे से परिचित नहीं थे।
- यहाँ माप-तौल के लिए न्यूनतम बाट 16 kg का था।
- सिंधु सभ्यता के लोग युद्ध या तलवार से परिचित नहीं थे।
- सिंधु सभ्यता में मिट्टी के बर्तनों में लाल रंग का उपयोग होता था।
- सिंधुवासी विश्व में कपास के प्रथम उत्पादक थे।
- सिंधु सभ्यता के विनाश का सबसे बड़ा कारण बाढ़ को माना जाता है।
- सिंधु घाटी सभ्यता के लोग कृषि भी करते थे, पशुपालन भी करते थे परंतु उनका मुख्य व्यवसाय व्यापार था।
- **सिन्धु सभ्यता के पतन के कारण–**

विद्वान	पतन के कारण
गार्डन चाइल्ड एवं व्हीलर	बाह्य एवं आर्यों के आक्रमण
जॉन मार्शल अर्नेस्ट एवं एस.आर.राव	बाढ़
आरेल स्टेइन, अमलानंद घोष	जलवायु परिवर्तन
एम.आर. साहनी	भूतात्विक परिवर्तन/जलप्लावन
जॉन मार्शल	प्रशासनिक शिथिलता
के.यू.आर. कनेडी	प्राकृतिक आपदा (मलेरिया, महामारी)

मेसोपोटामिया की सभ्यता (10,000 ई.पू.)

- इसका विकास इराक में टिगरिस एवं यूफ्रेट्स नदी (दजला-फरात) नदियों के मध्य में हुआ है।
- यहाँ की मिट्टी अत्यधिक उपजाऊ थी। यह सभ्यता ग्रामीण थी। इसके अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि था।
- इस समय के मंदिरों को जिगुरद कहा जाता था।
- **मेसोपोटामिया की सभ्यता के 4 भाग थे–**
  (i) सोमेरियन की सभ्यता
  (ii) बेबीलोन की सभ्यता
  (iii) सिरिया की सभ्यता
  (iv) कैल्ड्रिया की सभ्यता
- **झूलता हुआ बगीचा** बेबीलोन में स्थित है।
- सिकंदर ने इस सभ्यता का विनाश कर दिया और इसके स्थान पर ग्रीक सभ्यता को थोप दिया।
- विश्व की सबसे पहली सभ्यता मेसोपोटामिया की सभ्यता थी। जबकि विश्व की पहली नगरीय सभ्यता सिंधु सभ्यता थी।

मिस्त्र की सभ्यता (2100 ई.पू.)

- यह मिस्त्र के रेगिस्तानों में स्थित थी।
- इसे नील नदी की देन कहते है।
- इस सभ्यता की विकास फिरौन के नेतृत्व में किया गया था।
- इस सभ्यता में पिरामिड, सूर्य कैलेण्डर तथा ममी का विकास हुआ था। अर्थात् इस सभ्यता का रसायन शास्त्र सुदृढ़ था।
- गिजा का पिरामीड सबसे प्रसिद्ध है।

रोम की सभ्यता (600 ई.पू.)

- इसे इटली में विकसित किया गया था।
- इन्होंने पूरे भू-मध्यसागर पर अधिकार कर लिया था।
- प्राचीन सभ्यता के यह सबसे विकसित सभ्यता थी। आज भी इस सभ्यता के अवशेष सुरक्षित बचे हुए हैं। जो पर्यटन का आकर्षण केन्द्र हैं।
- इस सभ्यता के दो सबसे बड़े राजा जुलीयस सीजर एवं आगस्टस थे।

  Note :– जूलियस सीजर की हत्या धोखे से उसके मंत्रिण्डल द्वारा कर दी गई।
- जूलयिस सीजर नामक नाटक (Willian Shakespear) ने लिखा है।

फारस की सभ्यता (500 ई.पू.)

- यह वर्तमान ईरान में थी। इस सभ्यता का विकास तेजी से हुआ था। इन्होंने पूरे अरब प्रायद्वीप पर अधिकार कर लिया था।
- इनकी भाषा फारसी थी तथा पारसी धर्म को मानते थे।
- सिकंदर ने इस धर्म का अंत कर दिया।

स्पाटा

- स्पाटा अपने बहादूर सैनिकों के लिए विख्यात है। यह ग्रीस के पास का एक छोटा सा क्षेत्र था।
- स्पाटा के मात्र 300 सैनिकों ने लियोनाइड्स के नेतृत्व में ग्रीस के 20000 सैनिकों को मात दे दी थी।
- ग्रीस की विशाल सेना का नेतृत्व जर्कसीज कर रहा था।
- जर्कसीज ने धोखे से Spartans को हरा दिया।
- **पीली नदी की सभ्यता–** यह चीन में 5000 ई.पू. विकसित थी। ह्वांगहो नदी के तट पर इसका विस्तार था। यह सभ्यता अपने उपजाऊ भूमि के लिए प्रसिद्ध थी।